प्रसार भारती
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
27.01.2026 / प्रादेशिक समाचार / 11:00बजे

जलवायु परिवर्तन

प्रदेश में लगभग एक महीना देरी से हुई बर्फबारी को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने जलवायु परिवर्तन का असर बताया है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश सरकार जलवायु परिवर्तन की दुश्वारियों से निपट रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बदलाव के चलते प्रदेश में पिछले 3 सालों से लगातार प्राकृतिक आपदाएं आ रही है। हालांकि उन्होंने इस बर्फबारी को किसानों व बागवानों के लिए फायदेमंद भी बताया है।

वहीं लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बागवानों व किसानों के चेहरों पर आई खुशी पर प्रसन्नता जताते हुए आश्वासन दिया कि सरकार जनता के साथ खड़ी है और जल्द ही सभी सड़कें खोल दी जाएंगी।

वहीं दूसरी ओर विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने इस बर्फबारी को किसानों व बागवानों के लिए फायदेमंद बताते हुए प्रदेश में जल स्रोतों के पुर्नभरण के लिए और बर्फबारी की आवश्यकता जताई है।

लोक भवन–'एट होम' कार्यक्रम

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और लेडी गवर्नर जानकी शुक्ल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर कल शाम लोक भवन में 'एट होम' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधावालिया, पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर और न्यायमूर्ति जिया लाल भारद्वाज सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बर्फबारी

प्रदेश में भारी बर्फबारी के बाद दो दिन खामोश रहने के उपरांत अब मौसम ने एक बार फिर करवट बदली है और बीती रात से प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी शुरू हुई है। जनजातीय ज़िला किन्नौर और लाहौल स्पीति में देर रात से ही रूक–रूक कर बर्फबारी हो रही है, जबकि चंबा में बारिश हो रही है। राजधानी शिमला व धर्मशाला में बादल छाए हैं। कुल्लू ज़िला की ऊंची चोटियों पर बीती रात हल्का हिमपात हुआ जबकि निचले इलाकों में बारिश हुई है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने आज किन्नौर, लाहौल स्पीति, चंबा और कुल्लू में भारी हिमपात का ऑरेंज अर्लट जबकि कांगड़ा, शिमला, मंडी, सिरमौर और सोलन में बारिश का यलो अर्लट जारी किया है।

————————————